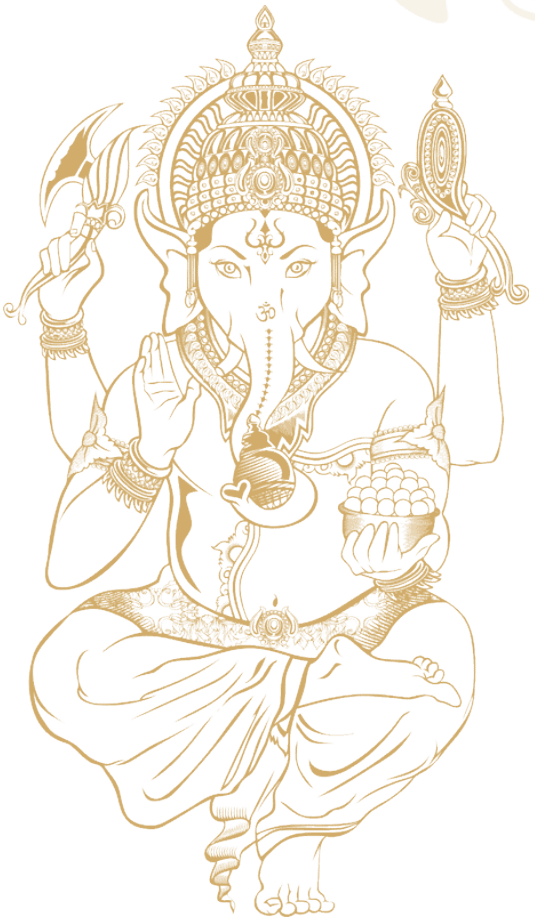

Aditya

Ms.Jaie Bhavsar

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119000603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/07/1996	जन्म तिथि	14/08/2000
बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 14:58:00	जन्म समय	07:05:00 घंटे
घटी 22:27:22	जन्म समय(घटी)	02:19:03 घटी
India	देश	India
Dhullia	स्थान	Parli Vaijnath
20:53:00 उत्तर	अक्षांश	18:53:00 उत्तर
74:50:00 पूर्व	रेखांश	76:36:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:40	स्थानिक संस्कार	-00:23:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:59:03	सूर्योदय	06:04:41
19:14:17	सूर्यास्त	18:51:21
23:48:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:42

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 12वर्ष 9मा 7दि		03:03:29	वृश्चि	लग्न	सिंह	10:48:18	चन्द्र 6वर्ष 3मा 1दि	
शुक्र		01:15:50	कर्क	सूर्य	कर्क	27:42:50	राहु	
24/04/2016		19:59:04	कर्क	चंद्र	मक	14:59:47	14/11/2013	
24/04/2036		00:30:25	मिथु	मंगल	कर्क	14:31:47	15/11/2031	
शुक्र	25/08/2019	08:12:22	कर्क	बुध	कर्क	19:15:37	राहु	28/07/2016
सूर्य	24/08/2020	17:19:36	धनु व	गुरु	वृष	14:01:42	गुरु	21/12/2018
चन्द्र	25/04/2022	21:54:17	वृष	शुक्र	सिंह	15:09:20	शनि	27/10/2021
मंगल	25/06/2023	13:35:20	मीन	शनि	वृष	06:21:08	बुध	16/05/2024
राहु	24/06/2026	17:11:13	कन्या व	राहु व	कर्क	00:41:19	केतु	03/06/2025
गुरु	22/02/2029	17:11:13	मीन व	केतु व	मक	00:41:19	शुक्र	03/06/2028
शनि	24/04/2032	09:06:38	मक व	हर्ष व	मक	24:52:17	सूर्य	27/04/2029
बुध	23/02/2035	02:35:29	मक व	नेप व	मक	10:51:38	चन्द्र	27/10/2030
केतु	24/04/2036	06:40:51	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	16:18:12	मंगल	15/11/2031

लग्न-चलित

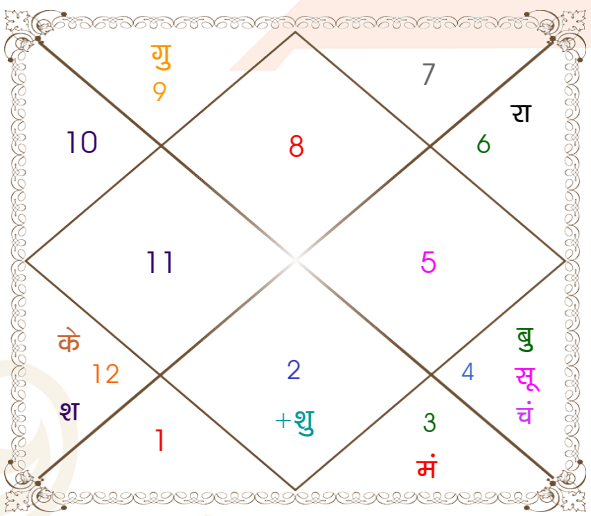

लग्न-चलित

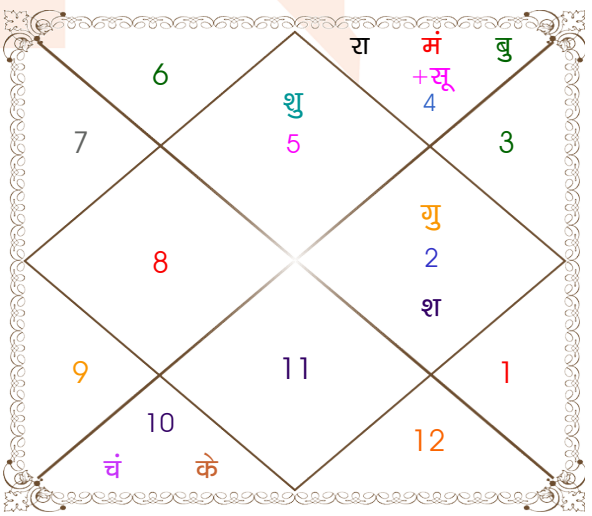

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डेण्श्रंपम ठींअेंत का नक्षत्र श्रवण है।

Aditya का वर्ग श्वान है तथा डेण्श्रंपम ठींअेंत का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Aditya और डेण्श्रंपम ठींअेंत का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Aditya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

डेण्श्रंपम ठींअेंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्श्रंपम ठींअेंत कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्श्रंपम ठींअेंत कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डेण्श्रंपम ठींअेंत कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Aditya कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Aditya तथा डेण्श्रंपम ठींअेंत में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।